अंदर के पेजों पर पढ़ें

2 आतंक के तार और मादक पदार्थों का खेल....

6 मनु ने 12 साल बाद शूटिंग में ब्रॉन्ज दिलाया...

7 बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-27 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 06 अगस्त से 12 अगस्त 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है

गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है. हाईकोर्ट ने केजरीवाल को स्पेशल जज के पास जाने को कहा है.

दिल्ली के कथित शराब घोटाले में केजरीवाल को ईडी और सीबीआई ने गिरफ्तार किया है. केजरीवाल ने दोनों एजेंसियों की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती दी थी. साथ ही उन्होंने अंतरिम जमानत की अर्जी भी लगाई थी. हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया है.

कौन हैं नाहिद इस्लाम, जिनकी वजह से बांग्लादेश में हुआ तख्तापलट?

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हो रहा आंदोलन जुलाई के आखिर में सरकार विरोधी उग्र प्रदर्शनों में बदल गया। इसके बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के साथ ही देश छोड़कर भागना पड़ा। कौन हैं इस आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे नाहिद इस्लाम है जिनके चलते तख्तापलट हुआ?

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक महीने तक लगातार आरक्षण और सरकार विरोधी उग्र प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना को न सिर्फ सत्ता, बल्कि देश छोड़कर भागना पड़ा। बांग्लादेश में हसीना सरकार का तख्तापलट नाहिद इस्लाम के एक शख्स के नेतृत्व में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों के चलते हुआ।आखिर कौन है नाहिद इस्लाम, जिनकी वजह से बांग्लादेश में हुआ तख्तापलट?

शेख हसीना को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने वाले आंदोलन के लीडर नाहिद इस्लाम एक छात्र नेता हैं। वर्तमान में ढाका विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र की पढ़ाई कर रहे हैं। इसके साथ ही नाहिद मानवाधिकार एक्टिविस्ट के तौर पर भी जाना जाता है। नाहिद इस्लाम छात्र संगठन स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के को-ऑडिनेटर भी हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद मंद पड़ चुके आंदोलन नाहिद इस्लाम की एक अपील पर हिंसक हो गया। आखिर में मजबूर होकर शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी। इतना ही नहीं, उन्हें अपनी जान बचाने के लिए भी बांग्लादेश भी छोड़ना पड़ा। हसीना के इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद नाहिद ने अगले 24 घंटे में एक

अंतरिम सरकार गठन करने की अपील की।

आरक्षण विरोधी प्रदर्शन क्यों बन गया हसीना विरोधी?

हसीना सरकार ने साल 2018 में अलग-अलग समुदाय को मिलने वाला 56%आरक्षण खत्म कर दिया था, लेकिन इसी साल जून में ढाका हाई कोर्ट ने इस फैसले का पलट दिया। इसके बाद 56% आरक्षण फिर से बरकरार हो गया, जिसे लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। नाहिद इस्लाम व उसके साथी इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। प्रदर्शन में 150 लोगों की मौत हो गई।

काशी विश्वनाथ मंदिर के पास बड़ा हादसा

दो मकान ढहे, नौ लोग घायल, एक महिला की मौत; PM ने ली घटना की जानकारी

वाराणसी में काशी विश्वनाथ विशिष्ट परिक्षेत्र के येलो जोन में बड़ा हादसा हुआ है। यहां 70 साल पुराने मकान अचानक धराशायी हो गए। कई लोग मलबे में दबे हैं। उन्हें बचाने के लिए एनडीआरएफ की टीम जुटी है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में बड़ा हादसा हुआ है। काशी विश्वनाथ मंदिर के पास काशी विश्वनाथ विशिष्ट परिक्षेत्र के येलो जोन में देर रात दो मकान ढह गए हैं। कई लोग मलबे में दब गए। उन्हें बचान के लिए एनडीआरएफ की टीम जुटी।

दर्दनाक हादसे में नौ लोग घायल हो गए। सभी को मंडलीय अस्पताल में भेजा गया गया है। एक महिला प्रेमलता की मौत हो गई है। हादसे के बाद मौके पर तकरीबन 500 पुलिसकर्मी हैं। गोदौलिया से मैदागिन वाले मार्ग को बंद कर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, वाराणसी के चौक थाना इलाके के खोआ गली चौराहे पर यह हादसा हुआ है। यहां 70 साल पुराने मकान अचानक धराशायी हो गए। बताया जा रहा है कि प्रसिद्ध जवाहिर साव कचौड़ी वाले के ऊपर स्थित राजेश गुप्ता और मनीष गुप्ता के इन मकानों के मलबे में नौ लोग दबे थे।

कई लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल भेजा गया है, जिसमें गंभीर रूप से घायल एक सिपाही भी शामिल है, जिसे कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा विश्वनाथ मंदिर में ड्यूटी पर तैनात एक महिला पुलिस कर्मी भी गंभीर रूप से घायल हुई है।

अयोध्या दुष्कर्म केस में नया खुलासा पहले पीड़िता के परिवार के साथ हुई थी ये कोशिश... खुलने लगीं एक-एक कड़ियां

12 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों को आरोपी पक्ष कई दिन से बरगलाने की कोशिश कर रहा था। निषाद समाज के अन्य लोगों के माध्यम से मामले में समझौता करने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए जा रहे थे। पुलिस की जांच व परिजनों के बयानों में एक-एक कड़ियां खुल रही हैं।

पूराकलंदर थाना क्षेत्र में भदरसा में बालिका से दुष्कर्म के साथ सपा नेता पर दूसरे आरोपी राजू को संरक्षण देने का भी आरोप है। मूलरूप से सीतापुर निवासी राजू ढाई माह पहले खेत में काम कर रही बालिका को बेकरी में काम करने के लिए ले गया था। दर्ज एफआईआर के अनुसार पहले सपा नेता मोईद खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

राजू ने वीडियो बनाया और फिर बालिका को ब्लैकमेल करके उसने भी दुष्कर्म किया। बालिका की तबीयत बिगड़ने पर मामला उजागर हुआ तो आरोपी पक्ष के लोग परिजनों को तरह-तरह से बरगलाने की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, राजू घटना के बाद से ही सीतापुर में ही छिपा था।

सुलह-समझौता की कोशिशें नाकाम होने पर मुकदमा दर्ज हुआ तो एक-एक कड़ियां खुलने लगीं। हालांकि, पुलिस इस मामले में अभी खुलकर कुछ बोलने से कतरा रही है। थानाध्यक्ष पूराकलंदर देवेंद्र सिंह ने बताया कि विवेचना के तथ्यों की जानकारी किसी को नहीं दी जा सकती।

आरोपी के परिजन बोले- डीएनए टेस्ट क्यों नहीं करवाती पुलिस

लगातार कई दिन से चल रही कार्रवाइयों के बीच पहली बार आरोपी सपा नेता मोईद खान का परिवार भी सामने आया है। उन्होंने एक मीडिया चैनल पर अपना पक्ष रखा और कार्रवाइयों को राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता व एकतरफा बताया।

शिवराज बोले- दिग्विजय के हाथ खून से सने

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को राज्यसभा में मुलताई गोलीकांड का नाम लेकर कहा कि दिग्विजय सिंह यहां बैठे हैं। उनके हाथ खून से सने हैं। 24-24 किसानों को मारा। उन्होंने अन्य राज्यों में किसानों पर हुई गोलीबारी की घटनाओं का जिक्र कर कांग्रेस को घेरा।ड्ड

दरअसल, शिवराज सिंह चौहान ने अपना वक्तव्य देना शुरू किया तो विपक्ष ने हंगामा कर दिया। इस पर उन्होंने कहा- मुझे छेड़ो मत, मुझे छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं। शिवराज के वक्तव्य के दौरान कांग्रेस सांसदों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। बाद में दिग्विजय सिंह ने मीडिया से चर्चा में कहा- कृषि मंत्री को मैं सालों से जानता हूं। वे आदत से लाचार हैं, झूठ बोलने के आदी हैं।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन को गुमराह किया है। इसके लिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया जाएगा। यह जानकारी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला और दिग्विजय सिंह ने दी।

संपादकीय

आतंक के तार और मादक पदार्थों का खेल, जम्मू-कश्मीर में सेवा से बर्खास्त लोग सीमा पार नेटवर्क का बन रहे हिस्सा

जो तंत्र आतंकवाद मिटाने में लगा है, अगर उसके आंतरिक ढांचे में ही आतंकी संगठनों की घुसपैठ हो जाए, तो मुश्किलें बढ़ेंगी ही। इसलिए सरकार को अपने समूचे तंत्र में हर स्तर पर ऐसे तत्त्वों की पहचान करने की जरूरत है, जो किसी भी रूप में आतंकवादी संगठनों के लिए मददगार हो सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या बेहद जटिल हो चुकी है, तो इसका एक बड़ा कारण आतंकी संगठनों को कभी-कभार मिलने वाली स्थानीय मदद भी है। अगर आतंकवाद से लड़ने वाले तंत्र में ही कुछ लोग ऐसे हों, जो परोक्ष रूप से आतंकियों के मददगार हों, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे हालात पैदा हो सकते हैं।

शनिवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने जिस तरह नार्को-आतंकवाद से कथित संबंधों के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों सहित छह कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया, उससे रेखांकित होता है कि वहां आतंकवाद की समस्या अपने किस जटिल स्वरूप में मौजूद है।

सरकारी कार्रवाई की जद में आए लोग आतंकवाद के वित्तपोषण में लिप्त मिले

सरकार की ओर से कराई गई जांच में सामने आया कि जिन लोगों को सेवा से बर्खास्त किया गया है, वे पाकिस्तानी जासूसी एजंसी (आइएसआइ) और सीमा पार पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी समूहों द्वारा संचालित नार्को-आतंकवाद का हिस्सा थे। सरकारी कार्रवाई की जद में आए पुलिसकर्मी और कर्मचारी मादक पदार्थों की बिक्री के जरिए आतंकवाद के वित्तपोषण में लिप्त पाए गए।

दरअसल, कुछ मादक पदार्थों की खेती भारतीय क्षेत्र में नहीं की जाती, पर पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद में इनका इस्तेमाल हथियार के तौर पर हो रहा है। भारत में इसकी तस्करी और खपत कई आतंकी नेटवर्कों के जरिए पाकिस्तान से होती है। आतंकी संगठन आमतौर पर युवाओं को अपने प्रभाव में लेते और मादक पदार्थों के जरिए उन्हें आतंकी जाल का हिस्सा बनाते हैं। ऐसे में स्थानीय समुदायों के बीच आतंकवादियों की घुसपैठ की समस्या में अगर खुद पुलिस महकमे के कोई अधिकारी या कर्मी हिस्सेदारी करने लगें तो इस समस्या की जटिलता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

शायद यही वजह है कि कई बार आतंकवादी संगठन घाटी में अपना जाल फैलाने और अक्सर हमले करने में कामयाब हो जाते हैं। जो तंत्र आतंकवाद मिटाने में लगा है, अगर उसके आंतरिक ढांचे में ही आतंकी संगठनों की घुसपैठ हो जाए, तो मुश्किलें बढ़ेंगी ही। इसलिए सरकार को अपने समूचे तंत्र में हर स्तर पर ऐसे तत्त्वों की पहचान करने की जरूरत है, जो किसी भी रूप में आतंकवादी संगठनों के लिए मददगार हो सकते हैं।

राजनीति

प्रशांत किशोर के निशाने पर नीतीश कुमार से पहले तेजस्वी यादव क्यों हैं?

जैसे जैसे प्रशांत किशोर का जन सुराज अभियान पूर्णाहूति की तरफ बढ़ रहा है, तेजस्वी यादव के खिलाफ ज्यादा आक्रामक होते जा रहे हैं. खुद गांव गांव घूम रहे प्रशांत किशोर को तेजस्वी यादव की आगामी बिहार यात्रा बिलकुल नहीं सुहा रही है - जब नीतीश कुमार ठीक ठाक स्थिति में हैं तो क्क को तेजस्वी से दिक्कत क्यों है?

गांधी जयंती के मौके पर प्रशांत किशोर के जन सुराज अभियान की पूर्णाहूति होने जा रही है. 2 अक्टूबर को ही वो अपने जन सुराज अभियान को राजनीतिक दल का रूप देंगे. कुछ दिनों से ये बातें वो खुद ही बताते आ रहे हैं.

दो साल से बिहार के गांव गांव घूम रहे, प्रशांत किशोर हाल फिलहाल पटना में भी काफी समय दे रहे हैं. क्क के नाम से मशहूर प्रशांत किशोर ने हाल ही में जन सुराज के पदाधिकारियों के साथ एक बड़ी बैठक की थी, और बताया था कि उनकी पार्टी का अध्यक्ष कौन और कैसे हो सकता है. ये भी बताया था कि वो अपनी पार्टी के अध्यक्ष नहीं बनने जा रहे हैं. पीके का एक और सम्मेलन काफी चर्चा में हैं, बिहार युवा संवाद. पटना के बापू भवन में पीके जब स्टेज पर पहुंचते हैं तो सब लोग जोर जोर से जय बिहार के नारे लगाते हैं. पूरा हाल खचाखच भरा हुआ नजर आता है - वैसे हाल की क्षमता 5 हजार की है, और कुछ लोग पीछे खड़े भी हैं इसलिए थोड़े ज्यादा भी हो सकते हैं.

पीके का ये खास इवेंट करीब करीब वैसा ही था जैसा बीते दिनों उनके क्लाइंट का हुआ करता था. प्रशांत किशोर अब तक जिन नेताओं के लिए चुनाव कैंपेन की निगरानी करते आये हैं, ऐसे बहुत सारे इवेंट देखने को मिले हैं. ऐसे ही कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के लिए आयोजित इवेंट भी शामिल रहे हैं.

प्रशांत किशोर के पूरे कैंपेन को देखें तो उनके टारगेट पर पहले नंबर पर तेजस्वी यादव रहे हैं, नीतीश कुमार का नंबर उनके बाद ही आता है. एक बात नहीं समझ में आती कि अगर उनको खुद सत्ता में आना है तो जिन्हें वो अपने राजनीतिक विरोधियों के तौर पर प्रोजेक्ट करते हैं, बराबर भाव क्यों नहीं रखते. जैसे लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान प्रशांत किशोर कांग्रेस और ढ्ढह्लष्ठढ्ढ ब्लॉक के मुकाबले बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाते नजर आये थे, जन सुराज अभियान के दौरान भी उनकी आलोचना के आखिरी पायदान पर भी बीजेपी ही देखने को मिली है - और तब भी, जब वो 2025 में जन सुराज की सरकार बनना पक्का बता रहे हैं, महसूस तो ऐसा होता है जैसे बीजेपी से उनको कोई खास शिकायत ही न हो. लोकसभा चुनाव के नतीजों के हिसाब से भी देखें तो तेजस्वी यादव के मुकाबले नीतीश कुमार का प्रदर्शन बेहतर रहा है. 2020 के बिहार चुनाव में जेडीयू को करीब करीब ठिकाने लगा देने वाली बीजेपी को केंद्र में सरकार बनाने के लिए नीतीश कुमार को बैसाखी बनाना पड़ा है - फिर भी प्रशांत किशोर के निशाने पर पहले नंबर पर तेजस्वी यादव को देखकर बहुत अजीब लगता है.

प्रशांत किशोर के निशाने पर तेजस्वी यादव क्यों हैं?

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव 17 अगस्त से बिहार यात्रा पर निकलने वाले हैं. अव्वल तो बिहार में अगले साल चुनाव होने हैं, लेकिन पहले से ही सभी राजनीतिक दल तैयारी में जुटे हुए हैं. लोकसभा चुनाव से पहले भी तेजस्वी यादव बिहार यात्रा किये थे.

तेजस्वी यादव की बिहार यात्रा को लेकर प्रशांत किशोर का कहना है, मेरे और उनके पदयात्रा के उद्देश्य में फर्क है... मैं पिछले 18 महीने से पदयात्रा ही कर रहा हूं... बाकियों की तरह एक दिन रैली और दूसरे दिन वोट नहीं मांग रहा... और न ही तीसरे दिन चुनाव लड़ने की योजना बना रहा हूं.

फिर अपने बारे में समझाने की कोशिश करते हैं, प्रशांत किशोर ये नहीं कह रहे हैं कि हमको जिताकर मुख्यमंत्री बना दीजिये... प्रशांत किशोर जन सुराज यात्रा इसलिए चला रहे हैं ताकि बिहार की जनता के अंदर जागरूकता फैले... जनता जात-पात से उठकर अपने बच्चों की चिंता करते हुए वोट दे.अपना राजनीतिक आइडिया समझाते हुए कहते हैं, जन सुराज ऐसी व्यवस्था है, जिसमें गरीब से गरीब घर का यहां आकर समाज के लिए... बिहार के लिए कुछ करना चाहता है. समाज और राजनीति में सुधार के लिए... और अपने बच्चों के भविष्य को सुधारने के लिए कुछ करना चहता है तो आपको पैसे की चिंता नहीं करनी है... जाति की चिंता नहीं करनी है... चुनाव जीतने और हारने की चिंता नहीं करनी है... चिंता जन सुराज और अपने बेटे-भाई प्रशांत किशोर पर छोड़िये... और बिहार को सुधारने के लिए खड़े हो जाइये.और बातों बातों में ही प्रशांत किशोर नेताओं की शैक्षिक योग्यता पर आ जाते हैं, जब हम सभा कराते हैं तो लोग कहते हैं, डिग्री क्वालीफिकेशन का क्राइटेरिया होना चाहिये... और सभा खत्म होते ही कहते हैं नहीं होना चाहिए... अब आपने कहा पढ़ाई का क्राइटेरिया होना चाहिये... क्योंकि बिहार के लोग दसवीं फेल लोगों के नेतृत्व में काम करना नहीं चाहिये. कुछ सोचकर अपनी बात पर सफाई भी देते हैं, मैंने दसवीं फेल कहा है... नौवीं फेल नहीं कहा है. जाहिर है निशाने पर तेजस्वी यादव ही होते हैं.

पीके का इमोशनल अत्याचार

पटना के बापू सभागार में युवा संवाद के जरिये प्रशांत किशोर लोगों से कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं. कहते हैं, जन सुराज यहां के युवाओं की जिद है, जन सुराज हम लोगों का संकल्प भी है और जन सुराज एक व्यवस्था भी है.

तो सवाल उठता है कि जन सुराज कैसी व्यवस्था है? पीके बताते हैं, जन सुराज एक एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें गरीब से गरीब घर का व्यक्ति यहां आकर समाज के लिए, बिहार के लिए कुछ करना चाहता है... समाज और राजनीति में सुधार के लिए और अपने बच्चों के भविष्य को सुधारने के लिए कुछ करना चहता है.इसमें पीके की गारंटी भी होती है, आपको पैसे की चिंता नहीं करनी है... जाति की चिंता नहीं करनी है... चुनाव जीतने और हारने की चिंता नहीं करनी है... वो चिंता जन सुराज और अपने बेटे-भाई प्रशांत किशोर पर छोड़िये - और बिहार को सुधारने के लिए खड़ा हो जाइये.

पीके की गारंटी में और भी बहुत कुछ है जिसे वो खुद बताते हैं, 2025 में बिहार से पलायन खत्म होगा. कहते हैं, अपने बच्चों से आप लोग कह दीजिये कि 2025 में जब छठ पर बिहार आएंगे, तो फिर वापस नहीं जाना होगा, लेकिन आप लोगों को भी एक काम करना होगा... आप लोग भले ही आधी प्लेट खाना खाइये, लेकिन बच्चों को जरूर पढ़ाइये... क्योंकि आपका बच्चा अगर अनपढ़ होगा, तो चाहे लालू यादव हों या नीतीश कुमार - कोई उसे डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बना पाएगा.

लगे हाथ आगाह भी करते हैं, जिसमें निशाने पर नीतीश कुमार और थोड़ा बीजेपी भी होती है, बिहार के लोग रोजी-रोटी के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं... यहां मौजूदा सरकार दूसरे राज्यों के लोगों को नौकरी दे रही है... अब युवा शक्ति जन सुराज के माध्यम से बिहार को सुधारने की जिद पर अड़ गई है. साथ में चुनावी वादा करते हुए प्रशांत किशोर कहते हैं, जब जब युवा शक्ति ने अंगड़ाई ली है, बदलाव आया है... आपके बीच से ही लोग मुखिया, विधायक बनेंगे. भीड़ में बैठे युवाओं में से बहुतेरे विधानसभा के लिए चुनकर आएंगे, विश्वास रखिये. लोकसभा चुनाव के नतीजों से समझें तो बीजेपी और नीतीश मिलकर तेजस्वी यादव से कोई बेहतर स्थिति में नहीं लगते, और बीजेपी की तरफ से भी साफ किया जा चुका है कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही एनडीए के नेता होंगे. ये तो समझ में आता है कि तेजस्वी यादव को प्रशांत किशोर इसलिए टारगेट कर रहे हैं क्योंकि मुकाबले में आगे वही नजर आते हैं, लेकिन नये चेहरों के बलबूते वो कहां तक चैलेंज कर पाएंगे. बिहार में नीतीश कुमार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर हो सकती है, लेकिन तेजस्वी यादव से लोग खफा हों, ऐसा तो कोई कारण नहीं लगता.

ट्रांसपोर्टर के घर के बाहर से कार चोरी

सीसीटीवी में कैद हुई घटना, नेक्सॉन कार से आए बदमाश और क्रेटा कार ले गए

इंदौर के भंवरकुआ में ट्रांसपोर्टर की क्रेटा कार चोरी हो गई। बताया जाता है कि चोर नेक्सॉन कार से आए थे और क्रेटा कार चोरी कर ले गए। पुलिस को उत्तर प्रदेश की गैंग पर शंका है। मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही है।

भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना हरजिन्दर पुत्र सुरजीत सिंह निवासी विष्णुपुरी के साथ हुई। शुक्रवार 2 अगस्त की रात को वह अपने काम से घर पहुंचे। उन्होंने कार नंबर स्रू09ङ्घछ्व8513 घर के बाहर खड़ी कर दी। दूसरे दिन शनिवार को वह 10 बजे उठे तो कार उनके यहां नहीं थी। उन्होंने मामले में पुलिस में शिकायत की है।

नेक्सॉन कार से आए थे चोर

पुलिस ने इस मामले फुटेज निकाले। हरजिन्दर के यहां कैमरे नही होने से गली के कार्नर पर लगे कैमरों के फुटेज चेक किये तो उसमें नेक्सॉन कार गली में चक्कर लगाते दिख रही है। बदमाश उसके पीछे क्रेटा कार को ले जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश की गैंग इस तरह की वारदातों को अंजाम देती है। पुलिस शहर के बाहर के फुटेज खंगाल रही है। क्राइम ब्रांच की टीम भी इस मामले में एक्टिव हुई है।

महापौर के वार्ड प्रतिनिधि को धमकाया

साउथ तोड़ा ब्रिज के उद्घाटन के बाद बैनर पोस्टर फाड़ रहे थे युवक

रावजी बाजार पुलिस ने वार्ड के महापौर प्रतिनिधि को धमकाने के मामले में केस दर्ज किया है। साउथ तोड़ा ब्रिज के लोकार्पण के बाद आरोपी बैनर पोस्टर फाड़ रहे थे। उन्हें रोकने के लिए महापौर प्रतिनिधि रूके तो उन पर हमला कर दिया। पुलिस आरोपियों को लेकर जांच कर रही है।

रावजी बाजार पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सुमित पुत्र अनिल पिपले निवासी रानीपुरा की शिकायत पर अंसार डिस्क वाला उसके बेटे व अन्य साथी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सुमित ने अपनी शिकायत में बताया कि वह वार्ड के महापौर प्रतिनिधि हैं और सामाजिक काम करते हैं।

साउथ तोड़ा ब्रिज का उद्घाटन होने के चलते नगर निगम इंदौर द्वारा विकास कार्यों को लेकर लोकार्पण के संबंध में बैनर पोस्टर लगाए थे। वार्ड का महापौर प्रतिनिधि होने से क्रार्यकम की जिम्मेदारी उन्हें दी गई थी।

इस प्रोग्राम में मेयर पुष्पमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला और क्षेत्रीय कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यक्रम के बाद बैनर हटाने की बात को लेकर सुमित जाने की बात करते हुए हत्या करने की धमकी दी। इसके बाद सुमित ने अपने साथियों को जानकारी दी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जानकारी देने के बाद थाने जाकर केस दर्ज कराया गया।

तेजी से फैल रहा वायरल संक्रमण

इंदौर में कोरोना के 3 केस, 1 भर्ती, 1 होम आइसोलेशन में

शहर में इन दिनों वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। सर्दी-खांसी और बुखार के मरीज बढ़े हैं। इसी बीच एक निजी अस्पताल में एक मरीज की जांच की गई तो वह कोरोना पॉजिटिव पाया गया। उसे वहीं अलग वार्ड में रखा है। एक कोरोना पॉजिटिव मामला एक लैब सेंटर की जांच में भी सामने आया है।

सीएमएचओ में पदस्थ एपिडिमोलॉजिस्ट (महामारी) डॉ. अंशुल मिश्रा ने बताया कोरोना की जांच का पुराना सिस्टम अब भी लागू है। जिन्हें शासकीय अस्पताल में कोरोना की जांच कराना हो वे करा सकते हैं। निजी अस्पतालों में भी कोरोना की जांच की जा रही है। लैब में जांच कराने वाले मरीज का अभी तय नहीं है कि वह कहां एडमिट होगा। इसके अलावा सूत्रों के अनुसार एक मरीज नीमच से आया था, जो जांच में कोरोना पॉजिटिव मिला। उसे होम आइसोलेशन पर नीमच (उसके घर) भेज दिया गया है।

घर से 3.50 लाख चोरी निजी कंपनी कर्मचारी ने दोस्त पर जताई शंका

इन्दौर । अन्नपूर्णा इलाके से एक निजी कंपनी के कर्मचरी के यहां से लाखो की चोरी हो गई। इस मामले में उसने अपने ही दोस्त पर शंका जताई है। पीड़ित युवक का कहना है कि वह दो माह से तीन माह से दोस्त से रूपए को लेकर पूछताछ कर रहा है। उसे पूरी शंका है कि रूपया दोस्त ने ही चुराया है।

अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कुलदीप की शिकायत उसके दोस्त कृतिज्ञ शर्मा पर केस दर्ज किया गया है। कुलदीप ने पुलिस शिकायत में बताया कि घटना 14 मई 2024 दोपहर 12 बजे की है। दोस्त कृतिज्ञ शर्मा मिलने घर आया था। उस समय घर पर दादा दादी थी। घर की अलमारी में 3.50 लाख रूपए रखे थे। अलमारी का ताला लगा हुआ था। अलमारी की चॉबी तकिये के नीचे रखी हुई थी। अलमारी से करीब 1 बजे रूपए निकालने पहुंचा तो वह खुली थी। कागज ओर सामान बिखरा पड़ा था। इस दौरान कृतिज्ञ पर शंका गई। कुलदीप ने इसका कारण बताया कि उसने अपने दोस्त को बताया था कि उसके पास इतने रूपए है। उसने अलमारी का ड्राज भी खोलकर उसे बताया था। इस बारे में बाद में दोस्त से पूछा था। उसने जानकारी होने से इंकार किया। इसके बाद कुलदीप बाहर चले गया। बाहर से आने के बाद पूछताछ की तो उसने अपशब्द कहे। घटना के समय फर्नीचर का काम करने वाले राहुल ने उसे आते जाते देखा था। इस मामले में परिवार से बात करने के बात की ओर केस दर्ज कराने पहुंचे।

बंद रीगल सिनेमा में आग का 7वां शो बड़ा सवाल? आखिर कैसे लग रही आग, 5 साल से बंद है 90 साल पुराना टॉकीज

90 साल पुराना रीगल टॉकीज 5 साल से बंद है, लेकिन इसमें रियल आग लगने का शो जारी है। सोमवार को बंद सिनेमा में सातवीं बार आग लग गई। धुआं उठता देख लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। पिछले बुधवार को भी यहां आग लगी थी। इतनी बार यह घटना हो चुकी है, लेकिन अब तक यह पता नहीं चला कि आखिर यहां आग लगती कैसे है?

अंदर कचरा, सिगरेट पीने वालों से आग लगने की आशंका

टॉकीज में आग लगने का मुख्य कारण वहां फैला हुआ कचरा बताया जा रहा है। गेट खुले होने से कोई भी व्यक्ति आसानी से अंदर आ जाता है। कई लोग अंदर नशा करते हैं, सिगरेट पीते हैं और वहीं फेंक जाते हैं। इसी से आग लग जाती है। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों का कहना है कि बार-बार आग लगने की घटना से हमारी टीम भी परेशान हो चुकी है।

नगर निगम ने कब्जा लिया, लेकिन रखरखाव नहीं किया

नगर निगम ने लीज खत्म होने के बाद इस टॉकीज का कब्जा ले लिया, लेकिन उसके रखरखाव के कोई इंतजाम नहीं किए। न ही कोई सिक्योरिटी गार्ड है और न वहां पर सफाई होती है।

1934 में बना था यह टॉकीज सन् 1930 में महाराजा तुकोजीराव होलकर ने मनोरंजन केंद्र के लिए लीज पर धन्नालाल ठाकुरिया को यह जगह दी थी। 1934 में यहां टॉकीज बनकर तैयार हुआ था। इसमें महाराजा के लिए विशेष बॉलकनी बनाई गई थी, जिसमें बैठकर राजपरिवार के सदस्य फिल्म देखते थे।

दिव्य वाणी

जिन गुरूओं के यहाँ सेवा की बड़ी बड़ी पेटियां लगी रहती हैं वो तो आपके नौकर हुए, जो आपसे रूपया पैसा लेते हैं, उनमें और हममें बहुत बड़ा अंतर है, वो आपकी कुण्डलिनी जागृत नहीं करते, सिर्फ बातचीत ही बातचीत से हो जायेगा क्या?, नाम देने के लिए गुरु काहे को चाहिए, ये मेरे आजतक समझ में नहीं आया।*
*भक्ति में जब अनंन्यता आती है तो ध्यान में ही मनुष्य उसका आनंद उठाता है, उसका वर्णन करने योग्य नहीं है क्योंकि उसके लिए शब्द ही संसार में नहीं हैं, रनिरानंदर, इसीलिए कहा गया है कि रजब मस्त हुए तो क्या बोलें आपको पता है ये तांत्रिक लोग क्या हैं, ये राक्षसी विद्या है, आसुरी विद्या है, ये बहुत खतरनाक विद्या है जो सारे देश को खा जायेगी, एक तांत्रिक आपके घर में आने दीजिए, सात जनम तक आप सुख नहीं भोग सकते हैं, इनकी छाया तक अपने तक मत आने दीजिए

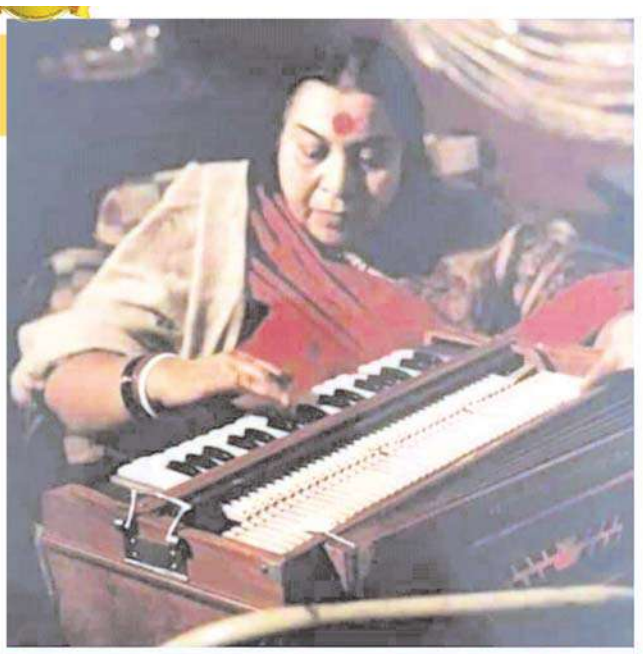

हर इक सुर में आपका वास है,
हर इक धुन में आपका एहसास है।
संगीत की हर सरगम हो आप
क्यूंकि, हर स्वर में हर राग में...
बस आपके चैतन्य का प्रकाश है।।

दमकती त्वचा के लिए चेहरे पर लगाएं दही से बने फेस पैक

दही सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नियमित रूप से इसे डाइट में शामिल करने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी आपको कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाता है। दही स्किन के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आप इसके इस्तेमाल से घर पर कई तरह के फेस पैक बना सकते हैं। इन्हें चेहरे पर लगाने से आपको स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है।

दही और शहद का फेस पैक
यह फेस पैक ड्राई स्किन के लिए बेहद कारगर साबित हो सकता है। इसे बनाने के लिए एक बाउल में 2 बड़े चम्मच दही लें, इसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। लगभग 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें ।

बेसन और दही का पैक
जिन लोगों को ऑयली स्किन की समस्या है, वो इस फेस पैक का जरूर इस्तेमाल करें। इसके लिए 2 बड़े चम्मच दही में एक बड़ा चम्मच बेसन मिलाएं। इस मिश्रण से गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। आप इसे अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद धो लें।

दही और नींबू का पैक
यह फेस पैक आपकी त्वचा की रंगत को निखारता है। इसे पैक को बनाने के लिए दही में नींबू का रस मिलाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद पानी से धो लें।

हल्दी और दही
इस फेस पैक के इस्तेमाल से आप ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। इसे बनाने के लिए दही में आधा चम्मच हल्दी मिलाएं। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद पानी से धो लें।

दही और ओट्स का पैक
ओट्स में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। इसे दही के साथ मिलाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। लगभग 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। आप इस पैक के इस्तेमाल से ब्लैकहेड्स और पिंपल्स से राहत पा सकते हैं।

अगस्त महीने के प्रमुख व्रत-त्योहार

अगस्त महीने की शुरुआत होने वाली है। इस महीने में कई प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें सावन शिवरात्रि, हरियाली अमावस्या, सावन सोमवार, हरियाली तीज, नाग पंचमी और रक्षाबंधन आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा, अगस्त महीने में पुत्रदा और अजा एकादशी, प्रदोष व्रत, कालाष्टमी समेत कई प्रमुख व्रत त्योहार मनाए जाएंगे। आइए, अगस्त महीने में पड़ने वाले सभी व्रत और त्योहारों के बारे में जानते हैं। आईए जानते हैं अगस्त महीने का व्रत-त्योहार सूची...

01 अगस्त को प्रदोष व्रत है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है।
02 अगस्त को सावन शिवरात्रि है। यह शुभ दिन भगवान शिव को समर्पित है।
04 अगस्त को हरियाली अमावस्या है। इस दिन स्नान-दान, पूजा, जप-तप और दान किया जाता है।
05 अगस्त को तीसरा सावन सोमवार है।
06 अगस्त को तृतीय मंगला गौरी व्रत है। यह व्रत सावन महीने के हर मंगलवार पर रखा जाता है।
07 अगस्त को हरियाली तीज है।
08 अगस्त को विनायक चतुर्थी है।
09 अगस्त को नाग पंचमी है। इस दिन नाग देवता की पूजा की जाती है।
10 अगस्त को कल्कि जयंती और स्कन्द षष्ठी है।
11 अगस्त को भानु सप्तमी और तुलसीदास जयंती है। इस तिथि पर ही तुलसीदास जी का जन्म हुआ था।
12 अगस्त को चौथा सावन सोमवार है।
13 अगस्त को चतुर्थ मंगला गौरी व्रत और मासिक दुर्गाष्टमी है।
15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस है।
16 अगस्त को पुत्रदा एकादशी, सिंह संक्रांति, दामोदर द्वादशी और वरलक्ष्मी व्रत है।
17 अगस्त को शनि त्रयोदशी और प्रदोष व्रत है। इस व्रत को करने से हर मनोकामना पूरी होती है।
19 अगस्त को रक्षाबंधन, गायत्री जयंती और सावन पूर्णिमा है।
22 अगस्त को कजरी तीज और हेरम्ब संकष्टी चतुर्थी है।
24 अगस्त को बलराम जयंती और नाग पंचमी (भाद्रपद माह) है।
25 अगस्त को भानु सप्तमी और मासिक कार्तिगाई है।
26 अगस्त को वार्षिक कृष्ण जन्माष्टमी और कालाष्टमी है।
27 अगस्त को दही हांडी और रोहिणी व्रत है।
29 अगस्त को अजा एकादशी है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है।
31 अगस्त को शनि त्रयोदशी और प्रदोष व्रत है।

डेंगू के बढ़ते खतरे के बीच मेनटेन रखें अपना प्लेटलेट

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जो मच्छरों के काटने से होती है। सुनने में यह जितना सरल लगता है असल में यह बीमारी उतनी ही गंभीर है। यह एक ऐसा वायरल संक्रमण है, जिसमें शरीर में प्लेटलेट काउंट तेजी से कम होने लगता है और कई बार गंभीर स्थिति के चलते लोगों की जान भी चली जाती है। इन दिनों देश के कई क्षेत्रों में डेंगू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। ऐसे में खुद को इससे बचाना और अपने प्लेटलेट काउंट को बनाए रखना ही इसका एकमात्र इलाज है। आइये जानते हैं कि प्लेटलेट काउंट को बनाए रखने के लिए क्या कर सकते हैं।

हाइड्रेटेड रहें
प्लेटलेट काउंट को बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं। डेंगू से बुखार, उल्टी और दस्त हो सकता है, जिससे शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है। ऐसे में हाइड्रेटेड रहने के लिए खूब सारे लिक्विड आइटम्स जैसे पानी, जूस और नारियल पानी का सेवन करें।

न्यूट्रीशनल डाइट
इम्युनिटी बूस्ट करने के लिए थाली में विटामिन और मिनरल्स से भरपूर चीजें शामिल करें। पत्तेदार साग, खट्टे फल, पपीता, कीवी और अनार जैसे फलों को शामिल करें क्योंकि ये प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

पपीते के पत्ते का अर्क
कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि पपीते की पत्ती का अर्क डेंगू के रोगियों में प्लेटलेट काउंट बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि, यहां ध्यान रखना जरूरी है कि यह आपके लिए सुरक्षित है या नहीं। इसलिए इसके इस्तेमाल से पहले डॉक्टर्स से सलाह जरूर लें।

मच्छरों के काटने से बचें
चूंकि डेंगू मच्छर के काटने से फैलता है, इसलिए जरूरी है कि पहले से ही इसका सुरक्षा रखी जाए। मच्छरों से बचने के लिए लंबी बाजू के कपड़े पहनें और मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

डॉक्टर से सलाह लें
अगर किसी व्यक्ति को संदेह होता है कि उसे डेंगू है, तो उसे तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करना चाहिए। इससे आपकी सही स्थिति का पता लगेगा और समय रहते जरूरी उपचार मिलेगा।

कलेक्टर जीपीएम के निलंबन आदेश के बावजूद छात्रावास अधीक्षक - अधीक्षका उसी छात्रावास में कर रहें कार्य

निलंबित अधिकारी /कर्मचारियों को जीवन निर्वाह भत्ता के साथ अन्यत्र किसी मुख्यालय में की जाती तैनाती यह कैसा है निलंबन आदेश

जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही,छत्तीस गढ़(संतोष गौतम)। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मांडवी के द्वारा विगत दिवस आकस्मिक निरीक्षण के दौरान बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए जाने पर कन्या आश्रम एवं बालक आश्रम बेल झिरिया के अधीक्षक एवं अधीक्षका को निलंबित कर दिया गया था 20 जुलाई को निरीक्षण के दौरान बिना किसी पूर्व सूचना के आश्रम में अनुपस्थित पाए जाने पर एवं नियमित रूप से आश्रम में नहीं रहने के कारण बी एस मास्को अधीक्षक (प्रधान पाठक)आदिवासी बालक आश्रम बेलझिरिया विकासखंड मरवाही एवं श्रीमती रियाज अंसारी अधीक्षिका ,(प्रधान पाठक)आदिवासी कन्या आश्रम बेलझिरिया विकासखंड मरवाही को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था । बी एस मास्को एवं श्रीमती रियाज अंसारी का निलंबन अवधि में मुख्यालय कार्यालय सहायक आदिवासी विकास गौरेला नियत किया गया था

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रावास अधीक्षक बी एस मास्को को बालक आश्रम बेलझिरिया एवं अधीक्षिका रियाज अंसारी अधीक्षिका कन्या आश्रम बेलझिरिया को निलंबित तो कर दिया गया था परंतु इनके द्वारा आश्रमों में लगातार कार्य किया जा रहा है जबकि निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास गौरला नियत किया गया था प्रश्न यह उठता है कि क्या शासन के नियम बदल गए हैं या फिर यह नियम सिर्फ इन्हीं लोगों के लिए अलग से बनाया गया है जी पी एम जिला बनने के पश्चात एवं इससे पूर्व में भी इस प्रकार का आदेश में देखने में नहीं आया यह आदेश अपने आप में आप एक अनोखा आदेश साबित हो रहा है ।

अब देखना यह होगा कि खबर प्रकाशन के बाद प्रशासन हरकत में आते हुए इस मामले को संज्ञान में लेते हुए क्या कार्यवाही करता है

मंडे टेस्ट में बुरी तरह फेल हुई अजय देवगन की फिल्म, चार दिनों का कलेक्शन है शॉकिंग

अजय देवगन हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में शामिल हैं जिनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दमदार परफॉर्म करती हैं. हालांकि एक्टर की लेटेस्ट रिलीज रोमांटिक-थ्रिलर औरों में कहां दम था को दर्शको से निराशाजनक रिस्पॉन्स मिला है. ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए संघर्ष कर रही है. उम्मीद थी की फिल्म वीकेंड पर अच्छी कमाई करेगी. लेकिन ऐसा हो ना सका. चलिए यहां जानते हैं औरों में कहां दम था ने रिलीज के चौथे दिन यानी अपने पहले मंडे को कितनी कमाई की है?

औरों में कहां दम था ने चौथे दिन कितना किया कलेक्शन?

औरों में कहां दम था साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म थी. इस मूवी में अजय और तबू की रोमांटिक केमिस्ट्री देखने के लिए फैंस बेताब हो रहे थे. हालांकि सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद फिल्म की बेहद ठंडी शुरुआत हुई और ये अजय के करियर की सबसे खराब ओपनर बन गई. वहीं वीकेंड पर भी फिल्म कोई कमाल नहीं दिखा पाई. दरअसल फिल्म को घिसी-पिटी कहानी के चलते खामियाजा भुगतना पड़ रहा है. वहीं फिल्म को हॉलीवुड की डेडपूल एंड वुल्वरीन से भी कड़ी टक्कर मिल रही है. जहां मार्वल्स की फिल्म 10 दिनों में भारत में 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है वहीं अजय देवगन की फिल्म 4 दिनों में 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई है.

औरों में कहां दम था के कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने 1.85 करोड़ से ओपनिंग की थी. दूसरे दिन फिल्म ने 2.15 करोड़ और तीसरे दिन 2.75 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब औरों में कहां दम था की रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक औरों में कहां दम था ने रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे को 1 करोड़ की कमाई की है.

इसी के साथ औरों में कहां दम था का चार दिनों का कुल कलेक्शन अब 7.75 करोड़ रुपये हो गया है.

औरों में कहां दम था के लिए बॉक्स ऑफिस पर टिकना लग रहा मुश्किल

औरों में कहां दम था रिलीज के चार दिनों में ही बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती हुई नजर आ रही है. इस फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया है. इसी के साथ ये फिल्म अजय के करियर की डिजास्टर फिल्म साबित हुई है. इससे पहले इस साल रिलीज हुई अजय की शैतान ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन किया था. मैदान की भी काफी तारीफ हुई थी लेकिन औरों में कहां दम था बिल्कुल बेदम साबित हुई है. फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए तो इसका जल्द ही बॉक्स ऑफिस से बोरिया-बिस्तर सिमटता हुआ नजर आ रहा है.

बता दें कि औरों में कहां दम था का निर्देशन नीरज पांडे ने किया है. फिल्म में अजय देवगन और तबू के अलावा जिमी शेरगिल, शांतनु महेश्वरी और सई मांजरेकर ने अहम रोल प्ले किया है.

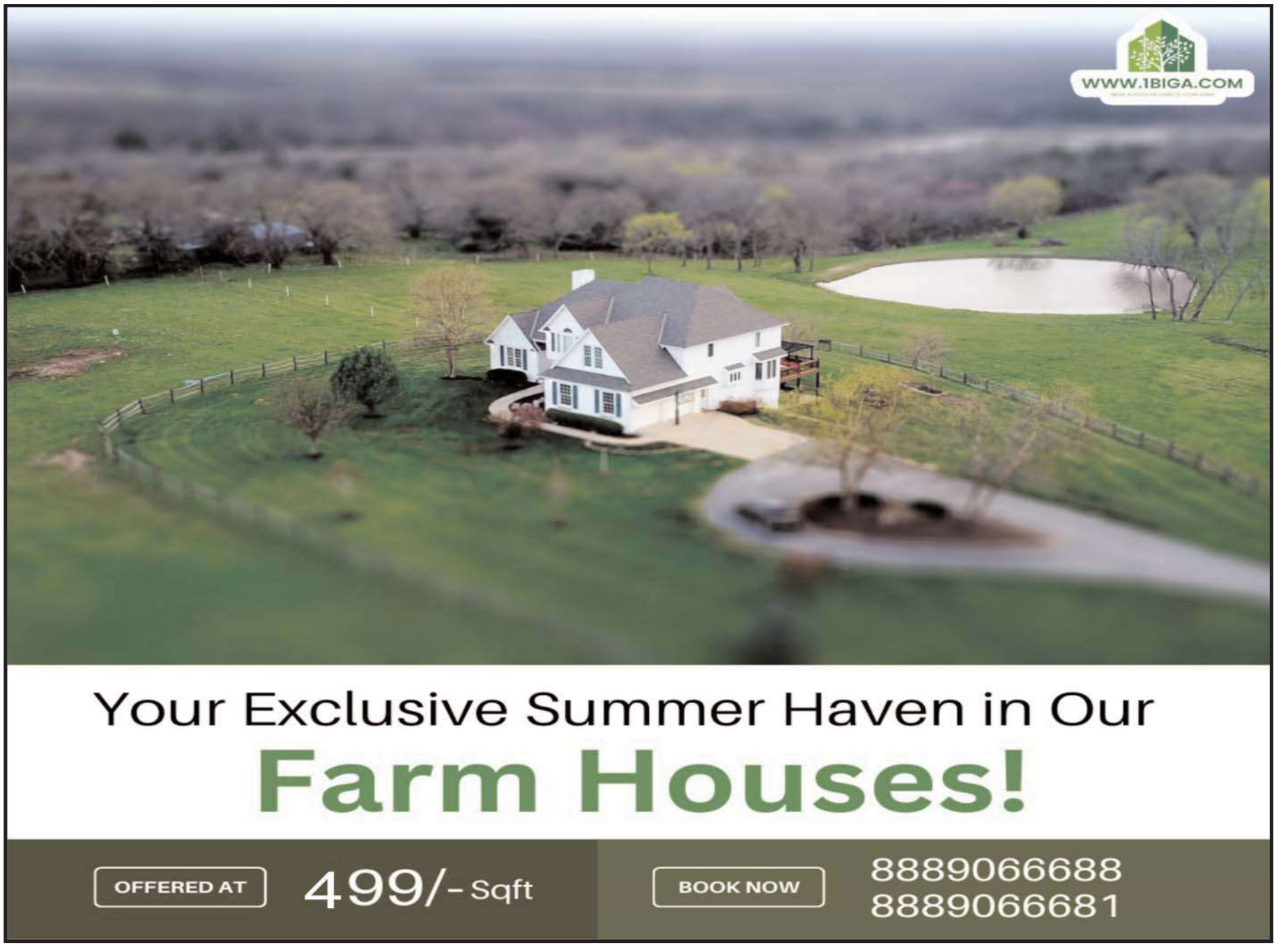

मनु ने 12 साल बाद शूटिंग में ब्रॉन्ज दिलाया

एक ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय

पेरिस ओलिंपिक में भारत ने अब तक 3 मेडल जीते हैं। सबसे पहले मनु भाकर ने ओलिंपिक के दूसरे ही दिन 10 मीटर एयर पिस्टल विमेंस सिंगल्स में देश को पहला ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। इसके बाद उन्होंने अंबाला के खिलाड़ी सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल कैटेगरी के मिक्स डब्लस में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं, 25 मीटर एयर पिस्टल कैटेगरी में वह चौथे नंबर पर रहकर पदक से चूक गई थीं।

ओलिंपिक गेम्स की शूटिंग इवेंट में भारत को 12 साल के बाद डबल मेडल मिले हैं। इससे पहले 2012 के लंदन ओलिंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में मेडल दिलाए थे।

50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी में शूटर स्वप्निल कुसाले ने 1 अगस्त को ब्रॉन्ज मेडल जीता था। स्वप्निल ने कुल 451.4 अंक हासिल किए। खास बात यह है कि इस बार के ओलिंपिक में अब तक तीनों मेडल शूटिंग इवेंट्स में ही मिले हैं।

ओलिंपिक- अविनाश 3000मी बाधा दौड़ के फाइनल में

रेसलर निशा चोट के कारण क्वार्टर फाइनल हारीं; आखिरी बाउट में 8-1 से आगे थीं, 10-8 से हार गई

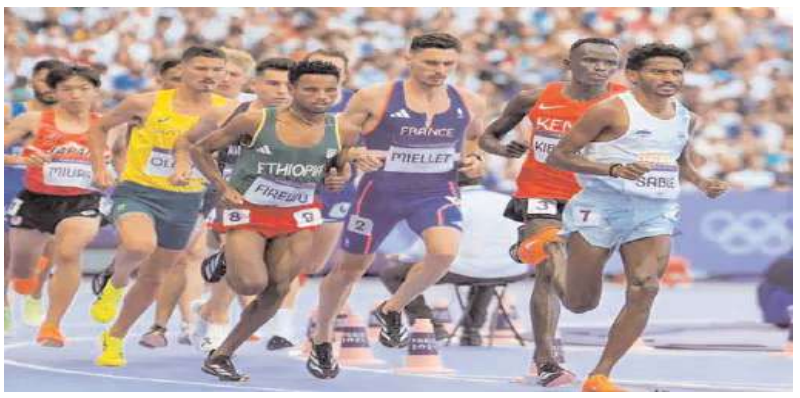

पेरिस ओलिंपिक में सोमवार का दिन काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। 10वें दिन भारतीय एथलीट अविनाश साबले 3000 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में पहुंचे। तो भारत 2 खेलों में मेडल मेडल के करीब पहुंचकर हार गया। इतना ही नहीं, रेसलर निशा दाहिया चोट की वजह से सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकीं।

देर रात अविनाश एथलेटिक्स की मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट के राउंड-1 की हीट-2 में 5वें नंबर पर रहे। उन्होंने 8:15.43 मिनट में रेस पूरी की। इससे पहले निशा दहिया रेसलिंग की विमेंस 68 द्यद्द कैटेगरी का क्वार्टर फाइनल 8-10 से हार गईं। एक समय निशा 8-1 की बढ़त पर थीं, लेकिन उनकी कोहनी पर चोट लग गई। निशा आखिरी 33 सेकेंड में 10-8 से हार गईं।

बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन भी मेंस सिंगल्स का ब्रॉन्ज मेडल मैच नहीं जीत पाए। उन्हें मलेशिया के ली जी जिया ने हराया। साथ ही शूटर अनंत जीत सिंह और महेश्वरी चौहान की जोड़ी स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में मेडल से चूक गई। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शाजापुर में कृषि आधारित फूड इंडस्ट्री लगाई जायेगी

मुख्यमंत्री ने की उप तहसील मक्सी को तहसील बनाने की घोषणा

शाजापुर में 20 करोड़ रूपये लागत से निर्मित मातृ-शिशु चिकित्सालय का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित है। इसी कड़ी में आज शाजापुर में 20 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 100 बिस्तरीय मातृ-शिशु चिकित्सालय का लोकार्पण किया गया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस चिकित्सालय में जच्चा और बच्चा को उच्च स्तरीय सेवाएँ मिल सकेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाजापुर में मातृ-शिशु चिकित्सालय का लोकार्पण कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शाजापुर जिले के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। जिले में नर्मदा जी का जल आ चुका है। अब पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना का लाभ भी शाजापुर को मिलेगा। परियोजना से 13 जिले लाभान्वित होंगे। किसानों को 24 घंटे पानी और बिजली की उपलब्धता मिलेगी, जिससे जिले में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने शाजापुर की उप तहसील मक्सी को तहसील बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय परिसर में पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों का जीवन बेहतर बनाने के लिए ही सरकार बनी है। किसान अपने पराक्रम से फसलों का उत्पादन करता है। शाजापुर में आलू-प्याज खरीदने के लिए पूरे देश के लोग आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के गठन के बाद लगातार प्रयास किया है कि प्रदेश में किसानों को लाभ मिले और इस दिशा में किसानों ने अपनी उत्पादकता भी अच्छी बढ़ाई है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में रोजगार के संसाधन बढ़ाए जायें, इसके लिए औद्योगिक विकास की भी आवश्यकता है। औद्योगिक विकास दर बढ़ाने के लिए उत्पादकता बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शाजापुर में कृषि आधारित फूड इंडस्ट्री भी लगाई जायेगी।

प्रदेश में कृषि उत्पादकता तो बहुत अच्छी हो गई है, अब प्रदेश में रोजगार स्थापित करने के लिए औद्योगिक उत्पादकता में भी वृद्धि लाना है। विगत दिनों उज्जैन में संपन्न हुई इन्वेस्ट समिट में संभाग के साथ प्रदेश में औद्योगिक विकास पर भी चर्चा हुई। तमिलनाडु के उद्योगपतियों से भी चर्चा हुई है और उनसे प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आग्रह किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर में कृषि आधारित फूड इंडस्ट्री लगाने की घोषणा की, इससे किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम मिलेगा और यहां के उत्पाद देश-विदेश में भी जायेंगे, जिससे क्षेत्र में किसानों की उन्नति होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति दुनिया की श्रेष्ठ संस्कृति है। हमारी अच्छाई हम दुनिया में बांटने के लिए निकले हैं। हमारे तीज-त्यौहार घर में मनाने के लिए नहीं है। प्रत्येक तीज त्यौहार समाज के साथ सबके बीच आनंद महसूस करते हुए मनाए जाने की जरूरत है। हमने इसकी परंपरा प्रारंभ की है। सावन के माह में रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के लिए राज्य सरकार 10 अगस्त को सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1 करोड़ 39 लाख बहनों के खाते में प्रतिमाह मिलने वाले 1250 रूपये के अतिरिक्त 250 रूपये उपहार स्वरूप प्रदान करेगी। इसके लिए प्रदेश के 25 हजार से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर रक्षाबंधन का त्यौहार भी मनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक कदम उठाएं जा रहे हैं। महिलाओं को सभी क्षेत्रों में भागीदारी देने के प्रयास जारी हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विकास के लिए भी केन्द्र सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं। हमारे यहां गुरू-शिष्य की परंपरा है। गुरू शिष्य को अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाता है। हमारी संस्कृति विश्वगुरू के नाम से दुनिया में जानी जाती है। किसी देश पर कब्जा करने का हमारा इतिहास नहीं है। हमारा अच्छाई बांटने का इतिहास है। हजारों वर्ष पूर्व हमारे देश में तक्षशिला, नालंदा जैसे अनेक विश्वविद्यालय थे, जो मानवता के लिए जाने जाते हैं। भगवान कृष्ण ने उज्जैन में शिक्षा प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक विधायक अपनी विधानसभा क्षेत्र को विकास का मॉडल बनाये। उन्होंने कहा कि बजट साढ़े तीन लाख करोड़ रूपये का है, इसे 5 साल में बढ़ाकर 7 लाख करोड़ का करना है। विकास के मामले में लगातार आगे बढ़कर देश में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाया जायेगा।

विशाल राखी भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को शाजापुर में मातृ-शिशु चिकित्सालय के लोकार्पण समारोह में लाड़ली बहनों द्वारा तैयार की गई लगभग 20 फिट की विशाल राखी भेंट की गई। साथ ही बड़ी संख्या में बहनों ने राखी भी बांधी। मुख्यमंत्री ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये । कार्यक्रम के दौरान किसानों ने कच्ची घानी का तेल, गाय का घीं, नीमाड़ी मिर्च पाउडर, शाजापुर का प्रसिद्ध लाल प्याज, बारामासी सफेद जामुन का पौधा मुख्यमंत्री को भेंट किया।

कौशल विकास और रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल और सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। स्थानीय विधायक, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी सहित बड़ी संख्या में किसान, लाड़ली बहनें और नागरिक उपस्थित रहे।

इंदौर नगर निगम फर्जी बिल घोटाले में ED का छापा

मास्टर माइंड अभय राठौर, ऑडिटर अनिल गर्ग के ठिकानों सहित 12 जगह छापेमारी

इंदौर नगर निगम के 125 करोड़ रुपए के फर्जी बिल घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की एंट्री हो गई है। ED ने सोमवार सुबह घोटाले के मास्टर माइंड अभय राठौर, संयुक्त संचालक (ऑडिट) अनिल कुमार गर्ग के ठिकानों सहित 12 जगह छापे मारे हैं। राठौर फिलहाल जेल में हैं। छापे की कार्रवाई की शुरुआत गर्ग के निवास 184-ए महालक्ष्मी नगर 'ओम सुख साईं एवेन्यू' से हुई। परिवार के लोग टीम को देखकर घबरा गए और वे जानकारी देने से बचते रहे। टीम ने मास्टर माइंड अभय राठौर और उसके बहनोई के भी घर छापे मारने की सूचना है। इस दौरान घर पर सिर्फ महिलाएं ही थीं। अन्य आरोपियों और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी ED की टीम पहुंची है।

निगम घोटाले के इन आरोपियों के यहां भी पहुंची ED की टीम

निगम के फर्जी बिल घोटाले में पुलिस ने करीब 20 आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग के दर्ज किए थे। इनमें ठेकेदारों के अलावा, निगम अधिकारी, कर्मचारी आदि शामिल हैं। ईडी द्वारा रेणु वडेरा निवासी 6 आशीष नगर, मोहम्मद जाकिर निवासी 147 मदीना नगर, राहुल वडेरा निवासी 2 आशीष नगर, राजकुमार पिता पन्नालाल साल्वी निवासी 78 अम्बिकापुरी हरीश श्रीवास्तव निवासी 55 सुखदेवनगर, प्रो. एहतेशाम पिता बिलकिस खान निवासी 128 माणिक बाग, जाहिद खान निवासी 101 सकीना अपार्टमेंट अशोका कॉलोनी, मोहम्मद साजिद निवासी मदीना नगर, मोहम्मद सिद्दीकी निवासी मदीना नगर), उदयसिंह पिता रामनरेश सिंह भदौरिया निवासी 31-सी सुखलिया, मुरलीधर पिता चंद्रशेखर निवासी 697 शिव सिटी राऊ, मौसम व्यास के ठिकानों पर भी छानबीन की सूचना है।

इस पूरे घोटाले में राठौर ने खुद की कोई भूमिका नहीं होने की बात कही है। जिस सेक्शन में घोटाला होना बताया है उसमें खुद के नहीं होने के बात कही है।

बेटे के ससुराल से गिरफ्तार हुआ था राठौर

पुलिस को जानकारी मिली कि उसके बेटे का उप्र में ससुराल है। इसके साथ ही अन्य रिश्तेदार भी उप्र के कई शहरों में है। इस पर पुलिस ने सूत्र तलाशे और एटा में एक मकान पर दबिश दी। यहां राठौर ने पुलिस से हुज्जत करते हुए गिरफ्तारी वारंट दिखाने को कहा। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जेल में है।

30 करोड़ रु. का भुगतान निगम के खाते से

पंकज पांडे (डीसीपी, जोन-3) ने बताया कि अब तक 58 फाइलों की जांच में 60 करोड़ का घपला निगम अधिकारियों-ठेकेदारों ने किया है। इनमें से 30 करोड़ निगम के खाते से भुगतान हो चुके हैं। अभी कई फाइलों की जांच चल रही है। राठौर का रिमांड लेने के बाद और खुलासे होने की उम्मीद है।

मामले में पुलिस अब तक राठौर सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें से ठेकेदार मो. साजिद, रेणु वडेरा, सब इंजीनियर उदय सिसौदिया, कम्प्यूटर ऑपरेटर चेतन भदौरिया और कर्मचारी मुरलीधर जेल जा चुके हैं।

नगर निगम का ड्रेनेज बिल घोटाला

ऑडिट विभाग का 129 करोड़ का भुगतान रोका, बिल जांच के लिए 1 % थी हिस्सेदारी

ड्रेनेज बिल घोटाले में करीब सौ करोड़ की राशि का 8 ठेकेदारों ने बगैर काम किए फर्जी बिल लगाकर नगर निगम को नुकसान पहुंचाया। हैरत की बात तो यह है कि इसमें ऑडिट और लेखा विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहे। अब घोटाले से हुए नुकसान की भरपाई के लिए निगम ने ऑडिट विभाग को किया जाने वाला 128.93 का भुगतान रोक दिया है। इसकी वजह यह है कि ऑडिटरों के परीक्षण के बाद ही भुगतान किया जाता था। उनकी लापरवाही के कारण भुगतान होना माना गया।

अप्रैल में फर्जी बिल घोटाला सामने आया था। निगम प्रशासन ने पांच फर्मों के खिलाफ जांच शुरू करवाई थी। 20 करोड़ की गड़बड़ी से शुरू हुई जांच सवा सौ करोड़ के घोटाले तक पहुंच चुकी है। इनमें से 91.64 करोड़ का भुगतान निगम कर चुका था। पुलिस ने मामले में अब तक सात एफआईआर दर्ज की हैं और 16 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें 8 ठेकेदार और 8 निगम के अफसर और कर्मचारी हैं। तीन ठेकेदार अभी भी फरार हैं।

वित्त विभाग भेजता था भुगतान, लेकिन कोविड के बाद भेजा ही नहीं गया-इस लापरवाही पर महापौर पुष्यमित्र के निर्देश पर प्रस्ताव बनाया गया था। इसमें ऑडिट के एवज में होने वाला भुगतान रोकने के लिए कहा है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट लागत का एक फीसदी ऑडिट विभाग के खाते में जाता था। इन्हें वित्त विभाग की ओर से भेजा जाता है। कोविड के बाद से उन्हें किसी तरह का कोई भुगतान नहीं किया गया। यह लंबित भुगतान 129 करोड़ तक पहुंच गया था, लेकिन इसी बीच यह घोटाला सामने आ गया। निगम ने इसके लिए ऑडिट विभाग को ज्यादा जिम्मेदार माना जिसके कारण फर्जी बिल लगते रहे और ठेकेदार करोड़ों रुपए निकालते रहे।

698 में से 222 बिल पाए गए थे फर्जी निगम ने सभी के बैंक खाते सीज करवाए-जल यंत्रालय, ड्रेनेज और ट्रेंचिंग ग्राउंड के बिलों में गड़बड़ी की बात सामने आने के बाद 13 एजेंसियों के दस साल के 698 भुगतान की जांच करवाई गई थी। इनमें से 222 फर्जी पाए गए थे। निगम ने सभी के बैंक खाते सीज करवाए। यह सभी भुगतान ऑडिट विभाग द्वारा परीक्षण करने के बाद किए गए थे। निगम ने 91. 64 करोड़ का भुगतान ठेकेदारों को कर दिया था। इन सभी से वसूली संबंधित विभागों द्वारा की जाएगी, लेकिन ऑडिट विभाग की लापरवाही के कारण यह भुगतान हुआ।

अब लेखा शाखा में छह सदस्यों की टीम कर रही बिल का वैरिफिकेशन-फर्जी बिल बनने, ई-नगर पालिका पोर्टल पर फाइल बनने और भुगतान प्रक्रिया में लूप होल को लेकर अब निगमायुक्त ने लेखा शाखा में छह सदस्यीय समिति बना दी है। कोई भी बिल आने पर पहले यह समिति परीक्षण कर रही है। फिजिकल वेरिफाई करवाया जाएगा। इसके बाद फाइल को ऑडिट विभाग भेजा जा रहा। वहां से जांच करने के बाद फिर भुगतान के लिए ऑडिट शाखा को भेजा जा रहा है। अफसरों का कहना है कि नए पोर्टल में हम सेफ्टी फीचर बढ़ाने जा रहे हैं। भुगतान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जाएगा।

निगम परिषद के 2 साल कई स्कूलों का निर्माण, संजीवनी क्लिनिक बनाने जैसे नवाचार भी

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम परिषद के सोमवार को दो साल पूरे हो रहे हैं। दो साल का ये कार्यकाल मिला-जुला रहा। एक तरफ नगर निगम पौधारोपण, नए पुल-पुलियाएं, सड़क, संजीवनी क्लिनिक और मेयर इंटर्नशिप जैसे कामों की उपलब्धि बता रहा, तो दूसरी तरफ शहर में इस समय कई व्यवस्थाएं पटरी से उतरी हुई हैं। जिस सफाई व्यवस्था में सात साल से शहर अव्वल है, उसमें लगातार शिकायतें आ रहीं। सड़कों की हालत बीते छह महीने में बदतर हुई हैं। एक के बाद एक घोटाले सामने आ रहे।

इधर, 20 दिन में ही ये हाल... नए हाथीपाला पुल पर बंद हो गई स्ट्रीट लाइट

ये चुनौती शहर के सामने... लोग बोलने लगे- शहर में पहले जैसी सफाई नहीं रही, 100 करोड़ के ड्रेनेज घोटाले से निगम की साख पर पड़ा असर

कचरा न उठने, गंदगी होने, सीवरेज लाइनें चोक होने जैसी हर दिन 50 से ज्यादा शिकायतें, 525 डोर टू डोर कलेक्शन की गाड़ियां, उसमें से 30 फीसदी की खटारा हुई। पार्षद ही सबसे ज्यादा शिकायतें कर रहे।

3800 किमी का सड़क नेटवर्क, उसमें 20 फीसदी डामर सड़कें, डामर की 15 फीसदी सड़कों की हालत खराब, गड्?ढे हो गए।

244 करोड़ का जलूद में सोलर प्लांट प्रोजेक्ट डेढ़ साल से ग्रीन बॉण्ड के साथ आ रहा है। जब काम आधा हो जाना था, तब तक तकनीकी टेंडर प्रक्रिया ही हुई है।

एमओजी लाइन रीडेंसीफिकेशन प्रोजेक्ट से 10 साल में 400 करोड़ की आय अनुमानित थी। अब तक निर्माण हटाने का काम ही हो रहा। टेंडर प्रक्रिया हो पाई है।

स्मार्ट सिटी की सबसे अहम सरवटे से गंगवाल बस स्टैंड की लगभग 5 किमी की सड़क चार साल से अधूरी। काम ही बंद।

जवाहर मार्ग से नदी किनारे चंद्रभागा तक की सड़क समयसीमा से एक साल पीछे। इसे चंद्रभागा से मोती तबेला तक ले जाने का प्रोजेक्ट अधर में।

कान्ह, सरस्वती नदी की सफाई पिछड़ी, पहले जितनी साफ हुई थी नदियां, अब उससे भी ज्यादा गंदा पानी बह रहा।

100 करोड़ से ज्यादा के ड्रेनेज घोटाले में जांच जारी। सुविधाएं कम, टैक्स में लगातार बढ़ोतरी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)